

## चारों दूल्हा की आरती उतारू ऐ सखी

चारों दूल्हा की आरती उतारू ऐ सखी  
चित्तचोरवा की आरती उतारू ऐ सखी

दुल्हिन स मिथलेश कुमारी  
दूल्हा दुलरवा स अवध बिहारी  
भरी भरी नैना हे निहारू आए सखी  
चित्तचोरवा के आरती उतारू हे सखी  
चारू दूल्हा के आरती उतारू हे सखी

व्याह विभूषण अंग अंग साजे  
मणि मंडप मंगलमय राजे  
तन मन धन हे न्यैछारू हे सखी  
चारू दूल्हा के आरती उतारू हे सखी  
चित्तचोरवा के आरती उतारू हे सखी

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17939/title/chaaro-dulhaa-ki-aarati-utaro-eh-sakhi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |